शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

12 अप्रैल 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 73
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

# दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# भाजपा नेता की गोली और बोली पर सवाल

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा नेता द्वारा भगवाधारी को उत्तराखंड छोड़ने की चेतावनी देने और ऐसा न करने पर गोली मरवा देने का वीडियो वायरल होने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है। कांग्रेस की महिला नेता गरिमा दसोनी ने इस वीडियो को लेकर सरकार पर तथा भाजपा नेता पर तमाम सवाल उठाए हैं तो वही जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकार वार्ता करते हुए कहा है कि अब भाजपा के राज में किसी न्यायालय तथा कानून की कोई जरूरत नहीं रह गई है और सरकार तथा भाजपा के नेता जो चाहे कर सकते हैं।

दर असल इस वीडियो में भाजपा के एक दायित्व धारी मंत्री एक भगवा वस्त्रधारी व्यक्ति को यह कहते हुए धमका रहे हैं कि वह नशा तस्कर है इस पर साधु वेशधारी व्यक्ति अपने को जमानत पर बाहर होने की बात कह रहा है और दायित्व धारी राज्य मंत्री उससे कह रहे हैं कि हमने और हमारे मुख्यमंत्री ने कानून बना दिया है कि कोई अपराधी चाहे वह जमानत पर ही जेल से बाहर क्यों न हो राज्य में नहीं रहना दिया जाएगा। या तो वह स्वयं राज्य की सीमा से बाहर चला जाए अन्यथा हम उसको गोली मरवा देंगे। हमने अब तक इतने लोगों को गोली मरवा दी है।

**●मंत्री को किसने दिया सजा देने का अधिकारः गरिमा**

**●पुलिस एनकाउंटर पर सच आया सामनेः रघुनाथ**

इस वीडियो पर रघुनाथ सिंह नेगी ने आज प्रेस वार्ता में कहा कि भाजपा के शासनकाल में अब न न्याय पालिका की जरूरत है और न किसी कानून की। क्योंकि कानून बनाने और अपराधियों को गोली मारने का अधिकार अब सब कुछ सरकार और भाजपा नेताओं के पास सुरक्षित हो गया। उन्होंने राज्य में हो रहे एनकाउंटरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी जांच कराई जानी चाहिए और इसके लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

उधर कांग्रेस की नेता गरिमा दसोनी का कहना है कि अगर यह मान भी लिया जाए कि भाजपा के दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री जिस व्यक्ति को गोली मारने या मरवाने की धमकी दे रहे हैं तो उन्हें यह अधिकार किसने दिया है। क्या वह न्यायाधीश है जो किसी को भी कुछ भी सजा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि दर्जाधारी मंत्री जो वीडियो के साथ छेड़छाड़ या एडिट करने की बात कह रहे हैं वह गलत है। इस वीडियो का पूरा सबूत उनके पास है। गरिमा का कहना है कि भाजपा का असली चाल चरित्र और चेहरा यही है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# सब गोलमाल है

क्या चुनावी घोषणा पत्रों में किए जाने वाले वायदों की तरह प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों के साथ लगाये जाने वाले शपथ पत्रों और प्रमाण पत्रों की कोई गारंटी नहीं होती है? कि वह सच पर आधारित हो। अगर इसका जवाब हां ही है तो फिर इन औपचारिकताओं की जरूरत ही क्या है। लेकिन अब इस बात पर गौर किया जाए तो यह इतनी बड़ी गड़बड़ी है जिसने समूचे सिस्टम को खराब कर दिया है। नेताओं के द्वारा अपने शपथ पत्रों में अपनी आय से लेकर अपनी शिक्षा और जाति-धर्म के साथ-साथ अपने आपराधिक इतिहास की जो भी जानकारी दी जाती है वह सब गलत ही होती है। अगर यह जानकारियां सही हो तो एक भी कोई अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति विधानसभा और संसद तक नहीं पहुंच सकता है। आज वर्तमान दौर में अगर 50 फीसदी के आसपास अपराधी किस्म के लोग विधानसभाओं और संसद में बैठे हैं तो यह हमारे सिस्टम के गड़बड़ झाले का ही नतीजा है। सवाल यह भी है कि इन नामांकन पत्रों के जांच के लिए भी निर्वाचन आयोग द्वारा समय दिया जाता है लेकिन जांच करने वाले जांच को लेकर गंभीर नहीं होते हैं। जिसका पूरा-पूरा लाभ जालसाज उम्मीदवारों को मिलता रहा है। इन दिनों उत्तराखंड की राजनीति में एक ऐसा ही मामला ऋषिकेश के मेयर शंभू पासवान का भी है। जिस पर अब सभी की निगाहें हाई कोर्ट के फैसले पर लगी हुई है। मेयर शंभू पासवान के खिलाफ उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी रहे दिनेश चंद्र जिन्हें लोग मास्टर जी के नाम से भी जानते हैं द्वारा मामला दर्ज कराया गया है। जिसमें उनके जाति प्रमाण पत्र को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं। शंभू पासवान ने यह चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ा था। चुनाव के दौरान मास्टर जी और उनके समर्थकों द्वारा यह प्रचारित किया गया था कि शंभू पासवान उत्तराखंड के मूल निवासी नहीं है तथा भाजपा द्वारा एक बाहरी प्रत्याशी को पहाड़ की जनता पर थोपा जा रहा है। प्रचार के दौरान मास्टर जी को मिल रहे जन समर्थन से भी लग रहा था कि वह चुनाव आसानी से जीत जाएंगे मगर भाजपा ने अपनी सांगठनिक ताकत में वह सत्ता के सहारे किसी प्रकार चुनाव तो जीत लिया लेकिन मास्टर जी ने हार कर भी हार नहीं मानी और उनके जाति प्रमाण पत्र को फर्जी बता कर हाई कोर्ट जा पहुंचे। शंभू पासवान जो अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र नामांकन पत्र के साथ लगाकर चुनाव जीते हैं वह अनुसूचित जाति के है या नहीं अलग बात है। लेकिन वह पहाड़ के मूल निवासी नहीं है, क्योंकि वह खुद बताते हैं कि वह राज्य गठन से पूर्व टिहरी में आकर बसे थे। सवाल यह है कि फिर उत्तराखंड में उनका जाति प्रमाण पत्र कैसे बन गया। हाईकोर्ट ने अब डीएम दून को इसकी जांच कर आख्यां देने को कहा है। अगर जांच में उनका यह प्रमाण पत्र गलत साबित होता है तो उनकी मेयर की कुर्सी का जाना तय माना जा रहा है। भले ही वह सत्ताधारी भाजपा के प्रतिनिधि क्यों न हो, चाह कर भी सरकार उन्हें नहीं बचा पाएगी। लेकिन उनके दस्तावेजों की जांच पहले ही की गई होती तो इसकी नौबत शायद नहीं आती। कोर्ट के इस फैसले पर शंभू पासवान का राजनीतिक भविष्य तो टिका है ही अन्य तमाम सवाल भी खड़े होंगे जिनका जवाब ढूंढना पड़ेगा।

# एसपी ने किया पुलिस कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती सरिता डोबाल ने पुलिस कार्यालय आंकिक व प्रधान लिपिक शाखा का वार्षिक निरीक्षण किया। आज यहां पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती सरिता डोबाल द्वारा पुलिस कार्यालय उत्तरकाशी के आंकिक शाखा, प्रधानलिपिक शाखा, हाईकोर्ट सैल व रिकार्ड रुम का निरीक्षण कर कार्यालय परिसर की साफ-सफाई का जायजा लिया गया। सभी को कार्यालय के सामान (पत्रावली, रजिस्टर, कम्प्यूटर, प्रिन्टर, आलमारी आदि) को सुव्यवस्थित तरीके से रखने निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान एसपी द्वारा पत्रावलियों एवं रजिस्टरों का गहनता से अवलोकन किया गया तथा सभी को रजिस्टरों का अध्यावधिक रखने तथा एसआरएमएस पोर्टल पर पुलिस अधिकारी व कर्मियों के सीआर अद्यावधिक रखने हेतु निर्देशित किया गया, पुरानी फाइलों को अभियान चलाकर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार, प्रभारी निरीक्षक चारधाम सैल आशुतोष राणा, आशुलिपिक अजय कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

# बाबा साहेब ने अपने विचारों, ज्ञान और धैर्य से देश को नई दिशा प्रदान की: धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को आई.आर.डी.टी. ऑडिटोरियम, सर्वेचौक, देहरादून में संविधान निर्माता भारतरत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर के सम्मान अभियान के सम्बन्ध में आयोजित प्रदेश कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि बाबा साहेब की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला सम्मान अभियान राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण करने एवं उनके विचारों को पुनः जागृत करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा जनसंघ से लेकर आज तक भाजपा की विचारधारा सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता पर ही आधारित रही है। उन्होंने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का ध्येय था कि अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति जब सत्ता के सिंहासन पर बैठेगा, तभी अंत्योदय से राष्ट्रोदय का स्वप्न साकार होगा। उन्होंने कहा पहले श्री रामनाथ कोविंद और फिर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना, उनके अंत्योदय के स्वप्न के साकार होने का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने अपने विचारों, ज्ञान और धैर्य से देश को नई दिशा प्रदान की। समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए उनका संघर्ष हर पीढ़ी के लिए एक मिसाल है। उन्होंने जाति प्रथा के खिलाफ मजबूत आवाज उठाई थी। जिसके लिए देशवासी सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में न्याय, स्वतंत्रता, समानता भारतीय गणराज्य के मूल स्तंभ को रखा। बाबा साहब ने ऐसे भारत की परिकल्पना की जिसमें सभी वर्गों को समान अधिकार, समान अवसर और समान गरिमा प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आधुनिक भारत की नींव पर चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। बाबा साहेब की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर प्रधानमंत्री ने उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है।

# शराब की दुकान में चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने शराब की दुकान की छत की चादर काटकर वहां से शराब की बोतलें व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिद्वार बाईपास रोड निवासी नागेन्द्र दत्त सेमवाल ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मोथरोवाला चौक पर शराब की दुकान है। आज जब वह अपनी दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि दुकान की छत की चादर कटी हुई थी तथा दुकान में सामान अस्त व्यस्त पडा हुआ था। चोर उसके यहां से नगदी व शराब की बोतलें चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# पुलिस व एसओजी टीम ने की अफीम की खेती नष्ट

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस व एसओजी टीम ने छापेमारी कर 15 नाली अफीम की खेती नष्ट की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्त के तहत जनपद पुलिस द्वारा अवैध कारोबार/नशीले पदार्थो का जड से खात्मा करने के लागातार प्रयास किये जा रहे हैं। थाना पुरोला पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा एक सटीक जानकारी जुटाते हुये आज थाना पुरोला क्षेत्रान्तर्गत स्थित गांव बिजौली, सेमलसारी के बर्नी खुशियाबाग तोक के बजलाडी, पमाडी छानियों/क्यारियों छापेमारी कर करीब 0.3 हेक्टेयर (15 नाली) भू-भाग पर पैदा की गयी प्रतिबन्धित अफीम / पोस्त की खेती का विनिष्टीकरण किया गया।

# राज्यमंत्री मकवाना ने समाज कल्याण विभाग का किया निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। राज्यमंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने समाज कल्याण विभाग का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष (दर्जा राज्यमंत्री) भगवत प्रसाद मकवाना ने समाज कल्याण विभाग का निरीक्षण किया। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ली एवं लम्बित आवेदन पत्रों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल को निर्देश दिए।

समाज कल्याण अधिकारी घिल्डियाल एवं वित्त विकास निगम के उप महाप्रबंधक गोवर्धन ने राज्यमंत्री मकवाना को बुके देकर स्वागत किया। मकवाना ने विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। एम एस एक्ट 2013 के अंतर्गत 2256 लाभान्वित जनों के सापेक्ष स्वरोजगार हेतु मात्र नौ लोगों को ही लोन उपलब्ध कराया गया अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के एक लाख तक के लोन माफ की दिशा में भी अपेक्षित कार्यवाही नहीं की। इसपर मकवाना ने नाराजगी व्यक्त की। साथ ही उन्होंने समाज कल्याण के पेंशन, छात्रवृत्ति आदि सभी अनुभागों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। मकवाना ने समाज कल्याण अधिकारी घिल्डियाल को जनता किसी सुविधा के लिए जागरूकता कैंप लगाने के निर्देश दिए जिससे लोगों को छात्रवृत्ति, पेंशन,अनुसूचित जाति की बालिकाओं के विवाह हेतु मिलने वाली आर्थिक सहायता एवं स्वरोजगार स्वरोजगार के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिल सके। एम एस एक्ट के तहत 40 हजार रुपए का अनुदान पा चुके लाभार्थियों एवं उनके आश्रितों के लिए विस्थापन की योजना के तहत आवास, स्वरोजगार हेतु सब्सिडी युक्त ऋण एवं उच्च शिक्षा हेतु ऋण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने को कहा। विभागीय अधिकारियों ने जल्द ही शिविर के माध्यम से योजनाओं के उचित क्रियान्वन करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर राज्य निगरानी समिति समाज कल्याण विभाग में सदस्य राजेश राजोरिया, श्रमिक एवं भाजपा नेता विशाल बिरला, विनोद घाघट, जिला निगरानी समिति में सदस्य विशाल अनन्त एवं संयम कुमार, दौलत मकवाना आदि मौजूद रहे।

# गर्मी के मौसम में ज़रूर खाएं खीरा, इसके हैं कई फ़ायदे

गर्मी के मौसम की शुरूआत हो चुकी है। इस मौसम में सेहत का खास देखभाल रखने की जरूरत है। गर्मियों का सुपरफूड कहा जाने वाला खीरा सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर मात्रा में पानी पाया जाता है। ऐसे में खीरा शरीर को हाइड्रेटेड रखने के साथ साथ यह गर्मियों में एक ताजगी देता है, जिसे खाने से शरीर को ठंडक मिलती है। ज्यादातर लोग गर्मियों में इसका सेवन करते हैं।

आपको बता दें, खीरे में विटामिन-सी , विटामिन के , कॉपर, मैग्नीशियम, पोटेशियम, मैंगनीज, सिलिका जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। जो त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद हैं। ऐसे में आइए जानते हैं एक्सपर्ट से इसके बारे में गर्मियों का ये सुपरफूड खीरे में कौन-से विटामिन्स पाए जाते हैं और सेहत के लिए ये कितनी तरह से फायदेमंद होता है।

गर्मियों में खीरे के सेवन से होने वाले फायदे

आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता के अनुसार, खीरे में ९०त्न पानी होता है, साथ ही ये पोटेशियम से भरपूर होता है। इसमें विटामिन-सी और के भी पाया जाता है। खीरे का सेवन अर्थराइटिस, हार्ट और डायबिटीज के मरीजों के लिए भी बड़ा फायदेमंद होता है। गर्मियों में खीरा खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो कब्ज की समस्या को आसानी से दूर करता है। इसके सेवन से मल सॉफ्ट होता है और पेट आसानी से साफ होता है। खीरा खाने से अपच, गैस और जी मिचलाने की समस्या भी दूर होती हैं।

शरीर को हाइड्रेट रखे

गर्मियों में कई बार शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में रोज खीरा खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और शरीर में पानी की कमी नहीं होती है। इसके सेवन से शरीर के टॉक्सिन्स पदार्थ आसानी से बाहर निकलते हैं और शरीर हेल्दी रहता है। खीरा स्किन और हेयर दोनों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। स्किन की टोनिंग में भी खीरा बहुत मदद करता है। यह त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और इससे स्किन पर चमक बनी रहती है। कई लोग आंखों के सूजन, जलन और डार्क सर्कल्स को कम करने आंखों पर खीरे के स्लाइस रखते हैं, जिससे आंखों को आराम मिलता है। आपको बता दें, गर्मियों में खीरा खाने से शरीर की इम्यूनिटी मजबूत होती है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन-ष्ट पाया जाता है, जो इम्यूनिटी को मजबूत करके बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। गर्मियों में खीरा खाने से कई बीमारियां आसानी से दूर होती हैं। इसलिए एक्सपर्ट्स गर्मियों में खीरा खाने की सलाह देते हैं।

छोटे बच्चों के लिए फायदेमंद

एक्सपर्ट का कहना है कि अगर छोटे बच्चे जो चॉकलेट जैसी चीजें खाते हैं। अगर, वो एक दो खीरे दिन में खा लेते हैं, तो उनका डाइजेशन सही बना रहता है। साथ ही शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद मिलती है। जो बच्चे हरी सब्जियां कम खाते हैं, तो उनके लिए खीरा खाना बड़ा फायदेमंद हो सकता है। आपको बता दें, अगर किसी भी चीज को ज्यादा खाएं, तो इससे शरीर को नुकसान पहुंच सकता है। वात रोग , एसिडिटी की समस्या, ज्यादा डकार आने जैसे स्थिति में खीरा खाली पेट नहीं खाना चाहिए। कई लोगों को खीरे से एलर्जी होती है, तो उन्हें खीरा खाने से परहेज करना चाहिए, साथ ही अगर किसी को हाल फिलहाल में किसी तरह की सर्जरी हुई तो उन्हें खीरा खाने से परहेज करना चाहिए।

# पेट में गैस

पेट में गैस का होना एक आम समस्या है। इस समस्या के लिए कोई आयु सीमा भी नहीं है। बच्चे से लेकर बड़े तक किसी भी आयु वर्ग वाले को इस समस्या से जूझना पड़ सकता है। वैसे तो बहुत सी एलोपैथी दवाएं हैं जिनके सेवन से हम इस समस्या से छूटकारा पा सकते हैं पर कुछ घरेलू इलाज करके भी इससे निजात पाई जा सकती है। भोजन के साथ सलाद के रूप में टमाटर का प्रतिदिन सेवन करना लाभप्रद होता है। यदि उस पर काला नमक डालकर खाया जाए तो लाभ अधिक मिलता है। पथरी के रोगी को कच्चे टमाटर का सेवन नहीं करना चाहिए।

लहसुन और अदरक के सेवन से भी गैस की बीमारी कम होती है। प्रात खाली पेट लहसुन की तीन.चार कली या अदरक के चार.पांच छोटे टुकड़े लेने से लाभ मिलता है। गैस के लिए आठ-दस पत्तियां पुदीनें की मिश्री के साथ चबाकर खाने से गैस छूमंतर हो जाती है। पेट हलका हो जाता है और भूख खुलकर लगती है।

कई बार भोजन करने से पहले या बाद में पेट में वायु बनती है इसके लिए दो.तीन ग्राम पिसी हुई काली मिर्च फांक लें ऊपर से नींबू मिला गुनगुना पानी पी लें। इससे डाइजेस्टिव सिस्टम ठीक हो जाता है। पेट दर्द होने पर काली मिर्च के पाउडर में अदरक का रस और नींबू का रस मिलाकर लेने से पेट दर्द में लाभ मिलता है। और गैस भी दूर होती है। गैस के कारण सिर दर्द होने पर चाय में कालीमिर्च डस्ट डालें। वही चाय पीने से लाभ मिलता है। वायु समस्या होने पर हरड़ के चूर्ण को शहद के साथ मिक्स कर खाना चाहिए। चुटकी भर हींग नाभि पर रख देने से पेट की गैस समस्या ठीक हो जाती है। अदरक के छोटे टुकड़े कर उस पर नमक छिड़क कर दिन में कई बार उसका सेवन करें। गैस परेशानी से छुटकारा मिलेगाए शरीर हलका होगा और भूख खुलकर लगेगी। नारियल के पानी का सेवन गैस वाले रोगी भी कर सकते हैं। आराम मिलेगा। सर्दियों में मेथी की सब्जी नियमित रूप से खाने पर भी पेट में गैस की परेशानी कम होती है। वैसे मेथी दाना भी गुनगुने पानी के साथ ले सकते हैं।

# सीपीएम ने केन्द्रीय कमेटी में चुने जाने पर नेगी का अभिनन्दन किया

संवाददाता

देहरादून। सीपीएम उत्तराखण्ड राज्य कमेटी ने अपनी पार्टी के पूर्व राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह नेगी को केन्द्रीय कमेटी में चुने जाने पर उनका अभिनन्दन किया है।

आज यहां सीपीएम उत्तराखण्ड राज्य कमेटी ने अपनी पार्टी के पूर्व राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह नेगी को केन्द्रीय कमेटी में चुने जाने पर उनका अभिनन्दन किया है। आज पार्टी राज्य कार्यालय में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा है कि कामरेड राजेन्द्रसिंह नेगी को पार्टी की केन्द्रीय कमेटी चुने जाने पर पार्टी की उत्तराखण्ड राज्य कमेटी की ओर से बधाई एवं अभिनन्दन है। हाल ही में तमिलनाडु के ऐतिहासिक शहर मदुरैई में 2 से 6 अप्रैल सम्पन्न अखिल भारतीय महाधिवेशन में पार्टी के लिये आगामी तीन सालों के लिऐ पार्टी की कार्यनीति पर राजनीतिक प्रस्ताव पारित होने के साथ ही सांगठनिक चर्चा एवं निर्णय लिये गये और पार्टी की केन्द्रीय कमेटी, पोलिट व्यूरो व महासचिव का चुनाव सम्पन्न हुआ। उत्तराखण्ड से कामरेड नेगी पार्टी की उत्तराखण्ड प्रदेश इकाई से केन्द्रीय समिति में चुने गये। वक्ताओं ने कहा है कि यह पहला अवसर है जब पार्टी की केन्द्रीय कमेटी में उत्तराखण्ड से किसी को पूर्ण प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ। हमें विश्वास है कि कामरेड राजेन्द्र सिंह नेगी का अनुभव व दर्जा पार्टी केन्द्रीय स्तर पर योगदान देने के साथ प्रदेश में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के साथ जनता के बीच अपनी पैठ बढ़ाने में सहायक होगा। कामरेड नेगी राज्य कार्यालय पहुंचने पर राज्य सचिव राजेन्द्र पुरोहित ने उन्हें पुष्प गुछ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सचिव मण्डल सदस्य कामरेड लेखराज ने सम्मान पत्र पढ़ा तथा कामरेड शिवप्रसाद देवली ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कामरेड नेगी ने सभी साथियों का धन्यवाद किया। संचालन अनन्त आकाश ने किया।

इस अवसर पर सचिव मण्डल के साथी भूपालसिंह रावत, जिलापंचायत सदस्य भरतसिंह नेगी, हिमान्शु चौहान, नुरैशा अन्सारी, विनोद कुमार, शैलेन्द्र परमार, एजाज अहमद, बिन्दा मिश्रा, अर्जुन रावत, सुरैशी नेगी, शबनम, सालेहा, यू एन बलूनी, विप्लव अनन्त आदि मौजूद थे। किसान सभा के स्थापना दिवस पर बधाई दी गई तथा प्रान्तिय कोषाध्यक्ष कामरेड देवली ने झण्डा फहराया।

## मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

देहरादून (सं)। लालपुल निवासी नन्हे लाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया वह रात्रि नौ बजे अपने घर के पास विवेक और उसके तीन साथी ने उसके साथ गाली गलोज और मारपीट कर दी विवेक ने ईंट से उसके माथे पर वार कर दिया उसके माथे पर गहरी चोट आई है और 7 टाके आये है इनके द्वारा जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

## जल संस्थान के केबल व पैनल चोरी

संवाददाता

देहरादून। जल संस्थान के कनिष्ट अभियंता अनुज राणा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उत्तराखण्ड जल संस्थान विभाग के गोविन्द नगर स्थित पम्प हाउस नं. 10 में असामाजिक तत्वों द्वारा रात्रि में केबिल एवं पैनल की सामग्री चोरी कर दी गई है जिसके फलस्वरूप उक्त क्षेत्र एवं निकटवर्ती सम्पूर्ण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है। चूंकि पेयजल आमजन से जुडी हुई मूलभूत आवश्यकता है। अत: तत्कालिक रूप से नई केबिल लगवाकर जलापूर्ति प्रारम्भ करवा दी गयी है। इस प्रकार की घटना पूर्व में भी घटित हो चुकी है जिससे विभागीय सम्पत्ति को नुकसान पहुँचने के साथ-साथ एक लम्बे समय तक शहर के कई स्थानो पर पेयजल आपूर्ति बाधित हो जाती है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# लाईफ इंश्योरेंस के नाम पर ठगे तीन लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। मैक्स लाईफ इंश्योरेंस के पर पर तीन लाख रूपये क ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बद्रीश कालोनी प्रेमनगर बाजार निवासी कंचन ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाईल पर एक अज्ञात नम्बर से फोन आया जिसने स्वंय का नाम मेघा शर्मा मैक्स लाइफ इन्शौरेन्स से होना बताया जिसके पास उसकी मैक्स लाइफ में की गयी सारी पौलिसी की जानकारी थी जिसके सबंध मे मेघा शर्मा द्वारा उसको उसकी पौलिसी के बारे मे बताने लगी, उसके द्वारा जानकारी लेने पर उसके द्वारा एक अन्य फोन आने के बारे मे बताया कुछ समय पश्चात फोन आया व अपना नाम मोहित बताया कि उसकी पौलिसी के सम्बंध मे कुछ शिकायत आयी है जिसके सम्बंध में उनके उच्च अधिकारी उससे बात करेगे, जिसके पश्चात 08 मार्च 2025 को उसके उपरोक्त मोबाइल पर एक अन्य नम्बर से फोन आया जिसने अपना नाम विजय सिंह ( जीवन बीमा लोक पाल शिकायत विभाग) का अधिकारी बताया व उसकी की गयी पौलिसी के लाभ हानि के बारे मे बताने लगा उसके द्वारा बताया गयी बाते उसे ठीक लगी तो उसको उस पर विश्वास हो गया, जिसने बताया कि उसकी पौलिसी उसके एजेन्ट की कमी के कारण लाँक की गयी है। जिसको चालू करने के लिए उसको को प्रत्येक पौलिसी की एक- एक किस्त जमा करनी होगी, उसके द्वारा उन्हे मना किया गया तो उनके द्वारा कहा गया कि वह किश्त जमा नही करेगे तो उसकी पौलिसी मे जमा धनराशी से लाँक नही हटेगा।

उसके द्वारा उन पर विश्वास करके सहमति जतायी तो विजय सिंह द्वारा कहा गया कि उससे उसका असिस्टैंट बात करेगा जिसके पश्चात मोबाईल पर वहटसैप पर अपने पैन कार्ड, आधार कार्ड, कैसिल चैक और एक फोटो भेजने के लिए कहा तो उसके द्वारा उक्त सभी कागजात भेज दिये गये, उसके बाद असिस्टैट राजीव शर्मा द्वारा उसके वहटसैप पर एक खाता बंधन बैक का भेजा जिसके बाद विजय सिंह का फोन आया जिसने उक्त खाते में एक लाख रूपये जमा करने के लिए कहा उसके द्वारा दिनांक 8 मार्च 2025 को अपने कोटक महिन्द्रा के खाते से फोन पे के माध्यम से खाता मैक्स लाईफ इन्श्योरेन्श लिमिटेड में एक लाख रुपये भेज दिये जिसका स्क्रीन शार्ट राजीव शर्मा के वट्सअप पर भेजा जिसके बाद विजय सिंह का फोन आया और कहा कि इस पौलिसी की 50 हजार रूपये रह गये है जो कल डाल देना 9 मार्च 2025 को राजीव शर्मा द्वारा उसको एक अन्य खाता संख्या भेजा जिसमे उसके द्वारा अपने खाता से खाते में मैक्स लाईफ इन्श्योरेन्श को लिमिटेड में 50 हजार रूपये भेज दिये, इसी क्रम में विजय सिंह ' के कहने पर उसके द्वारा एक-एक लाख रूपये करके कुल तीन लाख रूपये भेजे गये जिनके स्क्रीन शॉट जमा करने के पश्चात उसके द्वारा राजीव शर्मा के वहटसैप पर भेजे जाते थे , जिसके सारे दिशा- निर्देश उसको विजय सिंह द्वारा दिये जा रहे थे जिसके पश्चात उसको एक अन्य नम्बर से फोन आया जिसने अपना नाम परेश दामोदर भाई गांधी होना बताया व उसको डरा धमकाने लगे कि आपकी शिकायत हुई है। उसको शक हुआ तो वह मैक्स लाईफ इन्श्योरेन्स के आपिस राजपुर रोड मे गये तो उन्हें वहा के स्टाफ द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा ऐसा कोई फोन नही किया जाता है उनकी पालिसी तो एक्टिव है उनके साथ साइबर फ्राड हो गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# प्रदूषण की विकट होती समस्या

अखिलेश आर्येन्दु

प्रदूषण की विकट होती समस्या के समाधान के लिए विश्व स्तर पर रिसर्च, प्रयोग, अध्ययन और उनसे निकले निष्कषरे पर दुनिया के तमाम देशों में कार्य हुए हैं, लेकिन समाधान की दिशा में प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि सदी के अंत तक पर्यावरण प्रदूषण और धरती के बढ़ते तापमान से ताल्लुक रखने वाली तमाम समस्याओं को पूरी तरह खत्म करना मुमकिन नहीं है। धरती के तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होने से रोकने के मद्देनजर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को सीमित करने की सहमति पर पहली बार 2016 के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में सम्मेलन में बनी थी।

वैज्ञानिक कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा हटाने के लिए धरती की सतह पर चट्टानों के रासायनिक विघटन के जरिए हवा से कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को स्वाभाविक रूप से हटाना जरूरी कहते हैं। 2016 में लेवरहुल्मे सेंटर फॉर क्लाइमेंट चेंज मिटिगेशन के निदेशक डेबिड बियरलिंग दे एक खेती तकनीक विकसित करने के बारे में बात की थी। इससे फसलों को फायदा पहुंचने की बात भी की गई। हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोख कर उसका बेहतर इस्तेमाल करने की यह नई पहल पहली बार बड़े स्तर पर की गई थी। अमेरिका में हर साल 7 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड की खपत होती है। इसी तरह कैलिफोर्निया के ट्रेसी शहर में एक विशाल नये गोदाम के अंदर भूरे रंग के पाउडर से भरी ट्रे के ऊंचे-ऊंचे टावर लगे हुए हैं जो देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। हीरामूल कंपनी के जरिए ये टावर लगाए गए हैं। ये हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोखने का कार्य करते हैं। चूना पत्थर का इस्तेमाल करके हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को सीधे हवा से हटाने और इसे गहराई से संग्रहीत करने कर पर्यावरण प्रदूषण हटाया जाता है। दुनिया के कई देशों में कार्बन डाइऑक्साइड हवा से हटाने और इसका बेहतर उपयोग कर कई तरह के निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं।

दुनिया के वैज्ञानिकों और राज नेताओं ने इस तरह के सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य को अहमियत दी है। इस कार्य में निजी और सरकारी, दोनों स्तरों पर कोशिशें की जा रही हैं। इसी तरह स्विस कंपनी इन्शिोर के जरिए जिस यांत्रिक पेड़ का निर्माण हुआ है, वह कार्बन डाइऑक्साइड सोखने की दिशा में कारगर माना जा रहा है। 2022 से ही इस कंपनी का यह संयंत्र काम कर रहा है। उत्तरी सागर में समुद्र तल से एक मिलोमीटर नीचे, ऊर्जा का कंपनी इनिशेर 1996 से एक गैस प्रसंस्करण संयंत्र कार्बन डाइऑक्साइड को संग्रहीत कर रही है। हर साल दस लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड का भंडारण कर रही है।

यह तकनीक किस तरह लाभकारी हो सकती है, इस पर वैज्ञानिक लगे हुए हैं। कार्बन डाइऑक्साइड की संग्रहीत मात्रा पर वैज्ञानिकों का कहना है कि कार्बन लूप को बंद करने के लिए सीधे हवा का संग्रहण कर इसका उपयोग तरह-तरह के निर्माण कार्य में करने की तकनीक आ चुकी है। इसके अनुसार संग्रहीत कार्बन डाइॲक्साइड को अक्षय ऊर्जा से बनाए गए ग्रीन हाइड्रोजन के साथ मिलाकर कार्बन डाइऑक्साइड को सिंथेटिक ईधन-गैसोलीन, डीजल, बिजली या केरोसिन में बदलने का कार्य चल रहा है। यह ऊर्जा स्रोत के बड़े विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है। क्लाइमर्क्स वाणिज्यिक रूप से प्रत्यक्ष संग्रहीत करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है।

दुनिया में धरती पर दूसरा सबसे अधिक खनन किए जाने वाले पदार्थ-हवा से कार्बन सोखने का है। जलवायु परिवर्तन से प्राणियों पर पडने़ वाले असर को कम करने के लिए तमाम देश शिद्दत कोशिश में लगे हैं लेकिन अभी इसमें वक्त लगेगा। इस विधि से प्रति वर्ष 1,000 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड संयंत्र के जरिए संग्रहीत किया जा सकता है।

कंपनी को उम्मीद है कि 2035 तक 1 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड को हटाना संभव हो सकेगा। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने 315,000 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने के लिए हीरलूम के साथ दीर्घकालिक समझौता किया है। लेकिन नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के पृथ्वी और ग्रह वैज्ञानिक ब्रेड रोडमैन का कहना है, वायुमंडल बड़ा है, और वायु संग्रहण जितना होना चाहिए उसके मुकाबले बहुत कम है। लेकिन जलवायु संकट के लिए हर संभव समाधान का पीछा करना महत्त्वपूर्ण है'। हवा से सीधे कार्बन डाइऑक्साइड संग्रहीत करने का कार्य बड़े स्तर पर हो रहा है। अमेरिका, रूस, भारत, स्वीडन, फ्रांस और तमाम देशों में अलग-अलग तकनीकों के जरिए पर्यावरण प्रदूषण की समस्या दूर करने के लिए हवा से कार्बन संग्रहीत करने का कार्य किया जा रहा है जिसमें बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश भी किया जा रहा है, लेकिन प्रदूषण जिस स्तर पर है, उस स्तर पर अभी पूंजी निवेश नहीं हो पा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि जलवायु सम्मेलनों, पृथ्वी सम्मेलनों और पर्यावरण बचाओ जैसे अभियानों मे तेजी लाई जाए।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# रस्सी कूदने के लिए अपनाएं ये तरीके, अच्छे से होगी कार्डियो एक्सरसाइज

रस्सी कूदना एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो न केवल शरीर को फिट रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है। यह एक सरल और प्रभावी तरीका हो सकता है, जिससे आप अपने शरीर को सक्रिय रख सकते हैं।

इस लेख में हम आपको रस्सी कूदने के लिए कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताएंगे, जो आपको न केवल फिट रखेंगे बल्कि आपके मन को भी सुकून देंगे।

साधारण कूदना सीखे

रस्सी कूदना सीखने का पहला कदम साधारण कूदना है। इसके लिए आपको सबसे पहले सही तरीके से रस्सी पकडऩी होगी और उसे अपने सिर से ऊपर ले जाकर कूदना होगा। ध्यान रखें कि आपकी कूद ऊंची न हो, बस इतनी हो कि रस्सी आपके पैरों के ऊपर से गुजर जाए।

इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपके हाथ और पैरों का तालमेल बढ़ सके और आप आसानी से रस्सी कूद सकें।

दोहरी कूद आजमाएं

दोहरी कूद एक खास तरीका है, जिसमें रस्सी को दो बार आपके पैरों के नीचे से गुजरना होता है।

इसे करने के लिए आपको पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। इसके बाद धीरे-धीरे अपनी कूद की ऊंचाई बढ़ाएं और हाथों की गति को तेज करें ताकि रस्सी दो बार नीचे से गुजर सके।

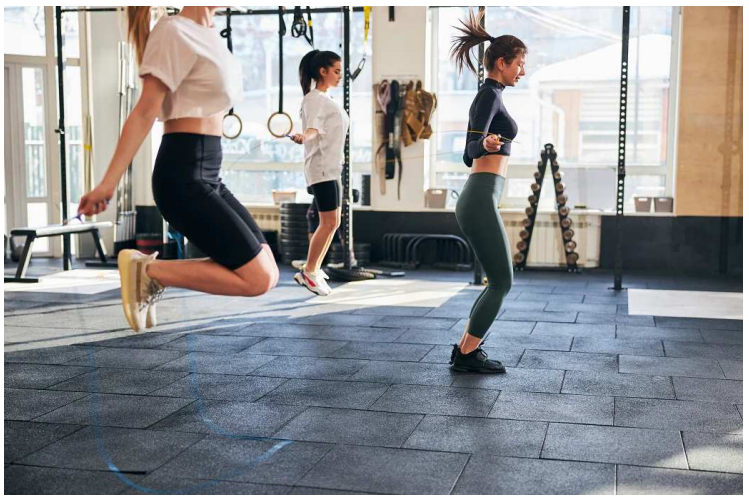

शुरुआत में यह मुश्किल लग सकता है, लेकिन अभ्यास से आप इसे आसानी से सीख सकते हैं।

क्रॉसओवर कूदें

क्रॉसओवर कूदना एक ऐसा तरीका है, जिसमें कूदते समय रस्से को क्रॉस करके आगे पीछे करना होता है।

इसके लिए सबसे पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। अब जब आप हवा में हों तो अपने हाथों को क्रॉस करें और जब आप नीचे हों तो उन्हें खोल लें। इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपके हाथों और पैरों का तालमेल बढ़ सके और आप आसानी से इस तकनीक को सीख सकें।

साइड स्विच करें

साइड स्विच करने का मतलब है कि आप अपनी स्थिति बदलते हुए रस्सी को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाएं।

इसके लिए सबसे पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। अब जब आप हवा में हों तो अपने हाथों को खोलकर रस्से को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाएं।

इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपका संतुलन बना रहे और आप आसानी से इस तकनीक को सीख सकें।

पीछे की ओर कूदें

पीछे की ओर कूदने का मतलब है कि आप पीछे की तरफ से रस्सी को कूदें।

इसके लिए सबसे पहले साधारण कूदना अच्छे से आना चाहिए। अब जब आप हवा में हों तो अपनी पीठ की तरफ रस्सी को लाएं, फिर नीचे आते समय इसे अपने पैरों के नीचे से निकालें।

इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं ताकि आपका संतुलन बना रहे और आप आसानी से इस तकनीक को सीख सकें।

## शब्द सामर्थ्य -90

( भागवत साहू )

**बाएं से दाएं**

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

**ऊपर से नीचे**

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

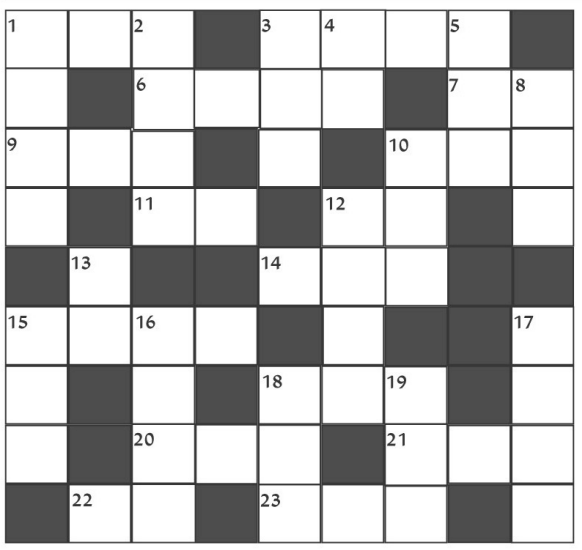

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज | ल | | आ | वा | जा | ही | | |
| मा | | खू | ब | | दू | र | स्थ | |
| ना | दा | न | | सा | ग | | ल | क्ष्य |
| | न | ख | | त | र | ल | | |
| | वी | रा | न | | | च | ट | क |
| | र | ब | | आ | ज | क | ल | |
| | | | आ | ग | | दा | ना | |
| | अ | ग | र | म | ग | र | | क्रो |
| भा | भी | | ती | न | | | व | ध |

# फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल का टीजर जारी

फैंस का इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि फवाद खान करीब 8 साल बाद बॉलीवुड में वापसी करने जा रहे हैं। उन्हें अबीर गुलाल में वाणी कपूर के साथ इश्क फरमाते हुए देखा जाएगा। फिल्म का ऑफिशियल टीजर सामने आ गया है जिसमें पाकिस्तानी एक्टर अपनी जादुई आवाज और आंखों में चमक लिए वाणी के साथ फ्लर्ट कर रहे हैं। टीजर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है।

टीजर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है। फवाद और वाणी की अबीर गुलाल सिनेमाघरों में 9 मई 2025 को दस्तक देगी। वाणी कपूर ने टीजर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया और कैप्शन लिखा, इंतजार खत्म हुआ! अबीर गुलाल और फवाद खान के साथ बड़े पर्दे पर प्यार फिर से लेकर आ रहे हैं। एक रिचर लेंस फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में मिलते हैं।

अबीर गुलाल का टीजर काफी रोमांटिक और प्यार भरा है। फवाद अपने चार्म के लिए जाने जाते हैं और इसमें कोई शक नहीं कि वे बड़े पर्दे पर फिर से प्यार लाने वाले हैं। टीजर की शुरुआत उनके गाने से होती है जिसके लिरिक्स हैं- कुछ ना कहो।।।कुछ भी ना कहो।।।बैकग्राउंड म्यूजिक बंद हो जाता है और फिर फवाद वाणी के लिए वो गाना गाते हैं। फवाद की सुरीली आवाज और आंखों के चार्म में वाणी को डूबते हुए देखा गया। दोनों कार के अंदर बैठे हुए हैं और बाहर बारिश हो रही है। इतना तो तय है कि फवाद फिर से अपने रोमांटिक अंदाज से फैंस का दिल जीतने के लिए तैयार है।

अबीर गुलाल एक रोमांटिक कॉमेडी है जिसमें फवाद खान की शानदार वापसी होने जा रही है। इस फिल्म के साथ फवाद लगभग 8 सालों बाद बॉलीवुड में वापसी करने जा रहे हैं। पिछली बार उन्हें 2016 की फिल्म ए दिल है मुश्किल में रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा के साथ देखा गया था। बता दें भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में खटास के कारण पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में बैन कर दिया गया था। लेकिन इसके बाद फवाद ने बॉलीवुड से रिश्ता बनाए रखा और अब वे वापसी करने जा रहे हैं। इंडियन स्टोरीज लिमिटेड और ए रिचर लेंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत अबीर गुलाल लंदन में सेट की गई एक प्यारी सी लव स्टोरी है। फिल्म का निर्देशन आरती एस बागड़ी ने किया है। इससे पहले, निर्देशक ने कहानी के बारे में कुछ डिटेल शेयर करते हुए कहा, फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है जो एक दूसरे को हील करने में मदद करते हैं और इसी बीच दोनों में प्यार हो जाता है। फवाद खान और वाणी कपूर के साथ, कलाकारों में लिसा हेडन, रिद्धि डोगरा, फरीदा जलाल, सोनी राजदान, परमीत सेठी, राहुल वोरा, अमृत संधू, सुजॉय डे और देव अग्रवाल शामिल हैं।

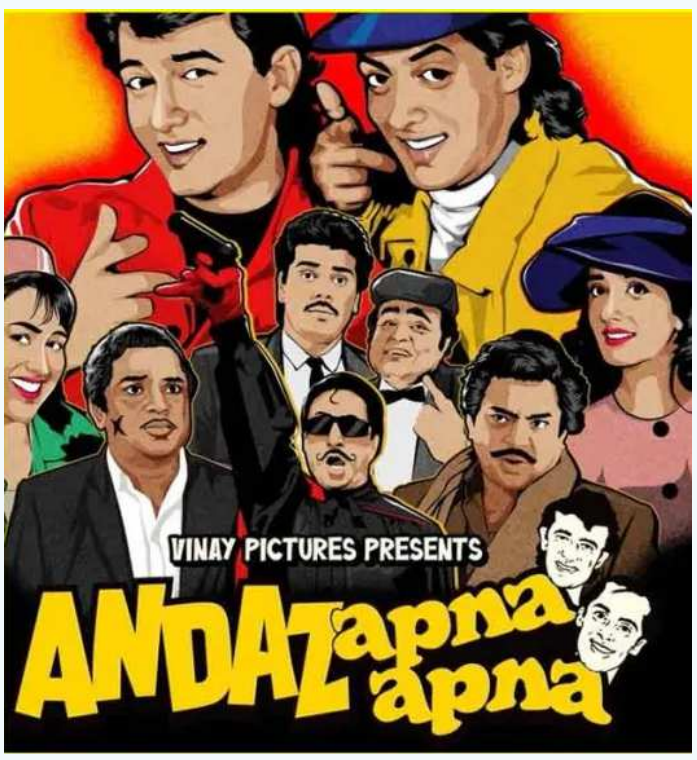


# अंदाज अपना अपना 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में दोबारा होगी रिलीज

आमिर खान और सलमान खान की यादगार फिल्म अंदाज अपना अपना लगभग 31 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म पहली बार 4 नवंबर, 1994 को रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया था। अब निर्माताओं ने अंदाज अपना अपना का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें आमिर और सलमान समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

अंदाज अपना अपना को 25 अप्रैल, 2025 को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो से होने वाला है। यह फिल्म भी 25 अप्रैल को सिनेमाघरों का रुख करने वाली है। अंदाज अपना अपना का ट्रेलर जल्द ही रिलीज किया जाएगा। इसमें रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

# क्रॉप टॉप पहने अनुष्का सेन ने कैमरे के सामने फ्लॉन्ट किया हॉट फिगर

अनुष्का सेन हमेशा अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाए हुए रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने व्हाइट कलर का टॉप और ब्लैक कलर की डेनिम जींस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढक़र एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, आंखों में गॉगल्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये स्टनिंग अवतार देखते ही फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

# चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

ज्यादा मत उड़ सीरीज में अभिनय कर रहीं लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है। ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण ज्यादा मत उड़ चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

उन्होंने बताया, एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है। अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं। उन्होंने कहा, 'ज्यादा मत उड़' में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है। वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है। हेली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो 'गुलाल' से की थी। इसके बाद वह 2011 के शो दीया और बाती हम में नजर आईं।

'स्वरागिनी' में हेली ने स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाया था। 2016 में शाह 'झलक दिखला जा' के सीजन 9 में दिखी थीं। अभिनेत्री को बाद में 'देवांशी', 'सूफियाना प्यार मेरा', 'ये रिश्ते हैं प्यार के' और 'इश्क में मरजावां 2' जैसे कई अन्य शो में देखा गया।

# किसानों की मांग में क्या जटिलता

अजीत द्विवेदी

पिछले दिनों पंजाब की सरकार ने पुलिस भेज कर और बुलडोजर व जेसीबी चलवा कर किसानों का आंदोलन समाप्त करा दिया। पंजाब और हरियाणा के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर बैठे किसानों को हिरासत में लिया गया और उनके आंदोलन के लिए बनाए गए मंच और दूसरे निर्माण को तोड़ कर गिरा दिया गया। यह आंदोलन 13 महीने से चल रहा था। एक तरफ केंद्र सरकार किसानों के साथ बातचीत का दिखावा कर रही थी तो दूसरी ओर पंजाब सरकार ने सीधी कार्रवाई करके किसानों का आंदोलन खत्म कराया। सवाल है कि केंद्र सरकार की सात या आठ दौर की किसानों से बातचीत में क्या हो रहा था, जो बातचीत एक कदम आगे नहीं बढ़ रही थी हर बातचीत के बाद एक नई तारीख तय हो रही थी। सोचें, रूस और यूक्रेन के युद्ध जैसे जटिल मसले पर पहली बैठक में युद्धविराम की सहमति बन गई। लेकिन किसानों की मांग में ऐसी क्या जटिलता थी कि अनेक दौर की बातचीत के बाद भी कोई बताने लायक सहमति नहीं बन पा रही थी जाहिर है केंद्र सरकार किसानों को थका देने की रणनीति पर काम कर रही थी और इसके साथ ही आंदोलन को दूसरे समूहों के बीच अलोकप्रिय बनाने का अभियान भी चल रहा था।

किसानों के राष्ट्रीय आंदोलन यानी नवंबर 2020 में दिल्ली की सीमा पर हुए और एक साल तक चले आंदोलन की तुलना जब फरवरी 2024 में पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर हुए आंदोलन से करते हैं तो कई चीजें स्पष्ट होकर सामने आती हैं। इससे जो सबक निकल रहा है वह देश के सभी राज्यों और सभी समूहों के लिए ध्यान देने वाला है। केंद्र सरकार ने पहले आंदोलन से सबक सीखा था और इसलिए उसने वैसे किसी टूल्स का इस्तेमाल नहीं किया, जिससे किसानों को सहानुभूति मिले। दूसरे उसने देख लिया था कि यह आंदोलन पंजाब और हरियाणा की सीमा पर हो रहा है तो उससे निपटने का जिम्मा भी उसने दोनों राज्यों पर छोड़ दिया। चूंकि किसानों की मांग केंद्र सरकार से थी तो केंद्र सरकार के मंत्री नियमित अंतराल पर किसानों से बात करते रहे। यानी केंद्र सरकार अच्छी बनी रही। सुप्रीम कोर्ट भी अच्छा बना रहा। क्योंकि वहां भी लगातार सुनवाई होती रही। ऐसा लगता रहा, जैसे सुप्रीम कोर्ट किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की लगातार सुनवाई और कथित फटकार के बावजूद उस मामले में भी सूई की नोक बराबर बदलाव नहीं आया।

इस पूरे प्रकरण में तीन चीजें बहुत स्पष्ट होती दिखीं। पहली चीज है किसान संगठनों का बिखराव। जिस तरह से केंद्र सरकार के बनाए तीन विवादित कानूनों को खत्म कराने के लिए देश भर के किसान संगठन एकजुट हुए और तमाम समूहों के बावजूद संयुक्त किसान मोर्चा की एक कमान में आंदोलन हुआ वह इस बार नहीं दिख रहा था। पहली बार नंवबर 2021 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर आकर विवादित कानूनों को वापस लेने का ऐलान किया और आंदोलन खत्म हुआ तो किसान समूहों के अंदर सर्वशक्तिशाली सरकार को झुका देने की भावना आ गई। उसके बाद किसान संगठनों में बिखराव शुरू हुआ। विवादित कानूनों को वापस लेते समय ही केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की गारंटी देने का कानून बनाने के लिए समिति बनाने की सहमति दी थी। केंद्र सरकार कई मांगों पर सहमत हो गई थी लेकिन एकजुट रह कर किसान संगठन उन मांगों को पूरा करने का दबाव नहीं बना सके। सबने अपनी डफली अपना राग शुरू कर दिया।

दूसरी चीज यह हुई कि पहले आंदोलन को जो लोकप्रिय समर्थन हासिल हुआ वह दूसरे आंदोलन को नहीं हो सका। इसका एक कारण तो किसान संगठनों का बिखराव था लेकिन दूसरा और बड़ा कारण आम नागरिकों की थकान थी या मोहभंग था। उनको लगा कि किसान बार बार क्यों आंदोलन पर बैठ रहे हैं जब पहली बार आंदोलन किया तभी क्यों नहीं अपनी सारी मांगें मनवा ली थी वैसे भी पुरानी कहावत है कि काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती है। यह हकीकत है कि देश में भ्रष्टाचार खत्म होने की बजाय बढ़ गया है और लोकपाल कुछ नहीं कर पाया है लेकिन क्या अन्ना हजारे या कोई भी दूसरा व्यक्ति भ्रष्टाचार पर कोई आंदोलन खड़ा कर सकता है नहीं कर सकता है! तभी किसानों ने पंजाब और हरियाणा की सीमा पर दो जगह, जो आंदोलन खड़ा किया उसको लोकप्रिय समर्थन नहीं मिला और उसकी चमक नहीं बनी। केंद्र सरकार ने भी इस आंदोलन को थोड़ी गंभीरता से तभी लिया जब डल्लेवाल ने आमरण अनशन शुरू किया।

तीसरी चीज यह है कि कृषि और किसान से ज्यादा कारोबारियों का दबाव सरकार ने महसूस किया। शंभू और खनौरी बॉर्डर बंद होने से आम लोगों को आने जाने में जो परेशानी हो रही थी वह अपनी जगह थी। लेकिन इससे कारोबार का बड़ा नुकसान हो रहा था। माल ढुलाई के लिए लंबा रास्ता लेना पड़ रहा था, जिससे सामान पहुंचने में ज्यादा समय लग रहा था और कीमत बढ़ रही थी। इससे कारोबारी नाराज थे और सरकार पर दबाव डाल रहे थे तो आम लोगों की भी नाराजगी थी। आंदोलन जितना लंबा चला लोगों की नाराजगी और इस आंदोलन से दूरी उतनी बढ़ती गई। सुप्रीम कोर्ट में बार बार मिल रही तारीखों और केंद्र सरकार के वार्ता के दिखावे ने इसे लंबा चलाने पर मजबूर कर दिया। इससे कारोबारी संगठन नाराज हुए और उन्होंने सरकार पर दबाव डाला कि वह इस आंदोलन को खत्म कराए।

तभी इसका एक बड़ा सबक तो यही है कि किसी आंदोलन के लंबे समय तक चलने का यह मतलब नहीं होता है कि वह सफल होगा या उससे वांछित लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। कई बार आंदोलन की तीव्रता ज्यादा महत्वपूर्ण होती है बनिस्पत इसके कि वह कितना लंबा चला। लंबे आंदोलन की तीव्रता अक्सर कम हो जाती है। नवंबर 2020 से नवंबर 2021 तक चला आंदोलन इसका अपवाद था। दूसरा सबक यह है कि किसानों को सरकार की सत्ता से टकराने के लिए ज्यादा मजबूत सांगठनिक ताकत, एकजुटता और प्लानिंग की जरुरत है। सरकारों ने ऐसे टूल्स विकसित कर लिए हैं, जिनके जरिए वह एक समूह के आंदोलन को दूसरे अनेक समूहों के विरोध में खड़ा कर सकती हैं। सोशल मीडिया के जरिए ऐसे नैरेटिव क्रिएट करना बहुत आसान है। पहले आंदोलन में यह ज्यादा कामयाब नहीं हुआ लेकिन दूसरी बार कामयाब हो गया। तीसरा सबक यह है कि आंदोलन की सफलता की राजनीतिक दलों का सक्रिय या कम से कम नैतिक समर्थन जरूरी है। इसका कारण यह है कि तमाम संगठन चाहे वह मजदूरों के हों, किसानों के या छात्रों, युवाओं और महिलाओं के हों या तो जातियों के आधार पर बंटे हैं या राजनीतिक आधार पर बंटे हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि कोई भी संगठन इतना मजबूत नहीं रह गया है कि वह अपने दम पर सरकार को चुनौती दे सके। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

## सू- दोकू क्र.90

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | | | 4 | | | 7 | |
| | | 6 | 9 | | 2 | | | 1 |
| | 7 | | | 6 | | 8 | | 2 |
| 1 | | | | | | | 8 | |
| | 8 | | | 5 | | 2 | | 3 |
| 3 | | 2 | | | 4 | | 1 | |
| | 3 | | 2 | | | 4 | | |
| | | 8 | | 1 | 6 | | | 7 |
| 9 | | | 4 | | | | 2 | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र 89 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 6 | 8 | 2 | 5 | 4 | 7 | 1 |
| 8 | 2 | 5 | 1 | 7 | 4 | 6 | 3 | 9 |
| 7 | 1 | 4 | 6 | 9 | 3 | | 2 | 5 |
| 1 | 8 | 9 | 3 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 |
| 2 | 6 | 7 | 5 | 4 | 8 | 1 | 9 | 3 |
| 5 | 4 | 3 | 9 | 1 | 2 | 7 | 8 | 6 |
| 6 | 7 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 1 | 8 |
| 9 | 5 | 1 | 7 | 8 | 6 | 3 | 4 | 2 |
| 4 | 3 | 8 | 2 | 5 | 1 | 9 | 6 | 7 |

# क्या प्रकृति के विनाश का परिणाम है भूकंप ?

विनोद कुमार

म्यांमार और थाईलैंड में हाल में आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई है और जान-माल का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ हैऐसे में पर्यावरणविद यह सवाल उठा रहे हैं कि प्रकृति के लगातार हो रहे विनाश का परिणाम भूकंप के प्रकोप के रूप में देखना पड़ रहा है। खासतौर पर हिमालय के प्लेटों पर विकास के नाम पर जिस तरह से निर्माण कार्य हो रहे हैं, उसके दुष्परिणाम दिखने लगे हैं। पहाड़ों को विकास के नाम पर काटने का काम सिर्फ भारत में नहीं हो रहा है, बल्कि चीन, नेपाल और म्यांमार में भी किया जा रहा है। इस वजह से हिमालय का पूरा क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से रेड जोन में आ गया है। दरअसल, भूकंप तब आते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी (क्रस्ट) में तनाव बढ़ता है। पपड़ी बड़ी प्लेटों से बनी होती है जो धीरे-धीरे हिलती है और ये हलचल भूकंप का कारण बनती है। जब भूकंप आबादी वाले इलाके में आता है, तो इससे काफी नुकसान हो सकता है। बहरहाल, भारत का लगभग 59 फ़ीसदी हिस्सा भूकंप के प्रति संवेदनशील है इसलिए इस मुद्दे पर हमें ध्यान देना बेहद जरूरी है। भारतीय मानक ब्यूरो ने भूकंप के जोखिम के आधार पर देश को 4 भूकंपीय क्षेत्रों में वर्गीकृत किया है।पर्यावरण विशेषज्ञों की आपत्ति है कि पर्यटन बढ़ाने के नाम पर जिस तरह से जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कांक्रीट के जंगल और सडकें बनाई जा रही हैं, वो सब एक बड़े विनाश का कारण बनेंगी। इसके अलावा पहाड़ी नदियों पर बना रहे बांध भी खतरनाक संकेत दे रहे हैं। बहरहाल,विकास और पर्यावरण सरोकारों के बीच एक संतुलन बिंदु होना चाहिए। इस संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर हिमालय पर्वतमाला प्राधिकरण का गठन होना चाहिए, जिसमें पर्यावरण विशेषज्ञ शामिल किए जाएं, ताकि यह प्राधिकरण पर्यावरण संरक्षण की चिंताओं का ध्यान रखे। इस प्राधिकरण में वो सभी राज्य शामिल होना चाहिए जो हिमालय की तराई में आते हैं। जहां तक प्राकृतिक आपदा प्रबंधन का सवाल है तो इस दिशा में केंद्र सरकार ने लगातार प्रयास किए हैं।सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जैसे सुरक्षा के नियम बनाना, पहले से चेतावनी देने वाला सिस्टम लगाना और खतरों का हिसाब लगाना। ये सब इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों को सुरक्षा की जानकारी मिले, जोखिमों पर नजर रखी जा सके और भविष्य के भूकंपों के लिए पहले से तैयारी हो सके।यही नहीं भूकंप से बचाव के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। नागरिकों को भी भूकंप के दौरान क्या करना चाहिए, इसके बारे में जानकारी होनी चाहिए और सुरक्षा के उपायों का पालन करना चाहिए। जब ??लोग तैयार और जागरूक होते हैं, तो इससे नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है और जान बचाने में मदद मिल सकती है। केंद्र सरकार ने म्यांमार के भूकंप के बाद जिस तरह से एनडीआरएफ की प्रशिक्षित टीम भेजी और इस टीम ने वहां जिस तरह से आपदा प्रबंधन का काम किया उसकी प्रशंसा म्यांमार सरकार ने की है। भारत इस तरह की सहायता अनेक बार कई देशों को दे चुका है। हमारी एनडीआरएफ की टीम को अंतरराष्ट्रीय दर्जे का बल माना जाता है। बहरहाल,म्यांमार में भी भूकंप का कारण प्रकृति का विनाश ही है। जाहिर है म्यांमार और थाईलैंड के भूकंप से भारत को भी सबक लेने की जरूरत है।

## छात्रों को एनएसई प्रमाणपत्र प्रदान किए

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर द्वारा पिछले 7 अप्रैल से 09 अप्रैल तक वाणिज्य एवं प्रबंधन के छात्रों के लिए डॉ. आरती शर्मा (सहायक नोडल अधिकारी) की देखरेख में तथा डॉ. अंकुर भटनागर (एनएसई प्रमाणित प्रशिक्षक) के प्रशिक्षण में प्रोजेक्ट गौरव की तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 143 छात्रों ने भाग लिया। प्रोजेक्ट गौरव वित्तीय शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के छात्रों के लिए एनएसई और उत्तराखंड सरकार का एक संयुक्त प्रयास है। विद्यार्थियों ने 3 दिन की फिजिकल लर्निंग के बाद 10 अप्रैल को ऑनलाइन माध्यम से एनएसई की ट्रेनिंग अटेंड की, जिसके बाद उन्हें ऑनलाइन मूल्यांकन के परिणामस्वरूप उनके एनएसई प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। संपूर्ण कार्यक्रम में डॉ. सर्वजीत सिंह, प्राचार्य (प्रभारी), डॉ. चंद्र पाल, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग तथा डॉ. मणि साहनी, अतिथि व्याख्याता, वाणिज्य ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

## श्री हनुमान जयंती पर बजरंग दल ने निकाली दुपहिया वाहन रैली

संवाददाता

देहरादून। जय श्रीराम के नारों के साथ श्री हनुमान जयंती के अवसर पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दुपहिया वाहन रैली निकाली। आज यहां श्री हनुमान जयंती के अवसर पर बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद कार्यकर्ताओं ने दुपहिया वाहन रैली का आयोजन किया। सुबह आठ बजे दुपहिया वाहन रैली हिन्दू नेशनल इंटर कालेज से प्रारम्भ हुई। रैली में बजरंग दल कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने बन रहा था। इस दौरान उनका कई स्थानों पर स्वागत किया गया और रैली में शामिल लोगों को पानी व खाने की सामग्री दी गयी। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने आपातकालीन सेवा वाले वाहनों को नहीं रोका गया। पल्टन बाजार से रैली झण्डा बाजार होते हुए सहारनपुर चौक से कांवली रोड होते हुए वापस हिन्दू नेशनल इंटर कालेज पहुंचकर वहां पर समाप्त हुई।

## यात्रा तैयारियों में मौसम का रोड़ा

विशेष संवाददाता

देहरादून। चार धाम यात्रा तैयारियों के दौरान बिगड़े मौसम के मिजाज ने शासन-प्रशासन के सामने समस्याएं खड़ी कर दी है। वहीं जहां सरकार समय से पूर्व व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का दावा कर रही है तो विपक्ष कांग्रेस द्वारा यात्रा की तैयारियों को लेकर सरकार की घेराबंदी शुरू कर दी गई है।

30 अप्रैल से शुरू होने जा रही चार धाम यात्रा की तैयारियों में खराब मौसम ने खलल डाल दिया है। पहाड़ों पर हो रही अतिवृष्टि के कारण सड़कों पर मलवा आने से राजमार्गों की हालत और अधिक खराब हो गई है। रुद्रप्रयाग से प्राप्त समाचार के अनुसार केदारनाथ हाईवे पर बांसवाड़ा के पास मलवा और बोल्डर आने से मार्ग अवरूद्ध हो गया है। सड़कों की मरम्मत और पैच वर्क का काम भी बारिश और ओलावृष्टि के कारण नहीं हो पा रहा है। वहीं पैदल मार्ग पर बर्फ हटाने का काम भी प्रभावित हुआ है। बीते दो दिनों से हो रही बारिश के कारण तमाम स्थानों पर पहाड़ से मलवा आने और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने की खबरें मिल रही है।

**❑केदारनाथ हाईवे पर आया मलवा, मार्ग बंद**
**❑कांग्रेस ने तैयारियों पर उठाए सवाल**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से लेकर मुख्य सचिव आनंद वर्धन और कमिश्नर विनय शंकर पांडे लगातार यात्रा तैयारियों की समीक्षा करने तथा उन्हें समय से पूर्व पूरा कराने की कोशिशों में लगे हुए हैं वही मौसम द्वारा काम में रुकावट डाली जा रही है। खास तौर से सड़कों की सुधारीकरण का काम ज्यादा प्रभावित हो रहा है। भले ही सत्ता में बैठे नेता समय पर काम पूरा हो जाने का दावा कर रहे हैं लेकिन इसके साथ ही विपक्ष द्वारा यात्रा की तैयारियों पर सरकार की घेराबंदी भी शुरू हो गई है।

कांग्रेस नेत्री गरिमा दसौनी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि सरकार चार धाम यात्रा को पर्यटन इवेंट बनाने में जुटी है जबकि धरातल पर उसे तैयारियों में जुटना चाहिए था। उनका कहना है यात्रा मार्गों की हालत खस्ता है। सड़के बंद है तथा चौड़ीकरण का काम तक नहीं किया जा सका है।

उनका कहना है कि नेता सिर्फ दावे कर रहे है उन्होंने कहा कि बीते साल कितने लोगों की यात्रा के दौरान मृत्यु हो गई इसका ब्यौरा तक अभी तक सरकार के पास नहीं है।

# मुख्यमंत्री का उपनल कर्मचारी महासंघ ने किया आभार व्यक्त

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्य सेवक सदन, देहरादून में उपनल कर्मचारी महासंघ द्वारा आयोजित धन्यवाद/अभिनन्दन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उपनल कर्मचारी महासंघ द्वारा उपनल कर्मियों के नियमितीकरण के लिए ठोस नीति बनाए जाने की घोषणा किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका अभिनंदन किए जाने पर सभी उपनल कर्मचारियों को धन्यवाद अर्पित करते हुए कहा कि इस अभिनंदन की हकदार प्रदेश की सवा करोड़ जनता भी है, जिन्होनें उन्हें प्रदेश की सेवा करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा राज्य सरकार एक ठोस और प्रभावी नीति बनाकर जल्द ही उपनल के कर्मचारियों को नियमित करने का कार्य प्रारंभ करेगी। जिसे चरणबद्ध तरीके से तय समय सीमा के अंदर किया जाएगा। उन्होंने कहा इस नियमितीकरण प्रक्रिया से उपनल कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा एवं उनके भीतर आत्मसम्मान की भावना और भी अधिक प्रगाढ़ होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई वर्षों से उपनल के अधिकारी, कर्मचारी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा धरने के दौरान उपनल कर्मचारियों पर लगे मुकदमों की भी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा आने वाले समय में राज्य सरकार पूर्व सैनिकों की वीरांगनाओं और पुत्रियों को ड्रोन दीदी योजना के माध्यम से ड्रोन संचालन का विशेष प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने का भी प्रयास करेगी एवं इस

वर्ष से 60 वर्ष से अधिक आयु के पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को नि:शुल्क बद्रीनाथ यात्रा भी करवाएँगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जो कहती है, उसे पूरा करके ही दम

**इस अभिनंदन की हकदार प्रदेश की सवा करोड़ जनता, जिन्होनें मुझे प्रदेश की सेवा करने का अवसर दिया है: मुख्यमंत्री**

लेती है। राज्य सरकार ने महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने, राज्य आंदोलनकारियों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने, समान नागरिक संहिता लागू करने एवं सख्त भू-कानून जैसे कई जनहित के फैसले लिए हैं। राज्य सरकार ने जनता के समक्ष किए गए अपने कठिन से कठिन संकल्प को भी पूर्ण करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा वो स्वयं भी एक फौजी के बेटे हैं। उन्होंने पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार की समस्याओं और चुनौतियों को नजदीक से देखा है। उन्होंने कहा राज्य सरकार प्रदेश के सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं बलिदानियों के आश्रितों के कल्याण एवं उत्थान हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उपनल कर्मचारियों को मिलने वाला प्रोत्साहन भत्ता तीन महीने की जगह अब प्रत्येक महीने दिया जा रहा है। सरकार 10 वर्ष से कम अनुभव वाले पूर्व सैनिकों को लगभग 5000 रूपए और 10 साल से अधिक अनुभव वाले पूर्व सैनिकों को लगभग 6000 हजार रूपए प्रति माह प्रोत्साहन भत्ते के रूप में भी दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने शहीदों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए किया है। शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने एवं सरकारी नौकरी हेतु आवेदन करने की अवधि को बढ़ाकर 5 वर्ष कर दिया गया है। हाल ही में परमवीर चक्र विजेताओं को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को बढ़ाते हुए 50 लाख रुपए से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपए किया गया है। प्रदेश के शहीदों की स्मृति में राजधानी देहरादून के गुनियाल गांव में भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है।

# किसी भी प्रकार के संकट प्रबंधन के लिए एक नोडल अधिकारी होंगे कमिश्नर: मुख्य सचिव

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि चारधाम यात्रा में किसी भी प्रकार के संकट प्रबधंन के लिए कमिश्नर गढवाल एक नोडल अधिकारी होंगे।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर सचिवालय स्थित अपने सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने चारधाम यात्रा मार्ग की पुख्ता व्यवस्थाओं को लेकर सभी विभागों को अभी से अपनी तैयारियां समयबद्धता से पूरी करने के निर्देश दिए हैं। पूर्व में जारी अपने निर्देशों के क्रम में मुख्य सचिव ने सचिव युगल किशोर पंत को देहरादून से केदारनाथ, सचिव डा. आर राजेश कुमार को बद्रीनाथ यात्रा मार्ग, सचिव डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम को गंगोत्री धाम तथा डॉ. नीरज खैरवाल से यमुनोत्री धाम की तैयारियों के सम्बन्ध में फीडबैक लिया। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सचिवों से प्राप्त सुझावों का अनुपालन करते अथवा कमियों को दुरूस्त किया जाए। यात्रा मार्ग पर सभी जरूरतों का अभी से आंकलन करते हुए सभी

व्यवस्थाएं यात्रा आरम्भ से पहले दुरूस्त करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को संवेदनशीलता के साथ एवं कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण करने को गम्भीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक धाम एवं उनके यात्रामार्गों पर मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने यूपीसीएल को धामों में लॉ-वॉल्टेज की समस्या को शीघ्र दुरूस्त किए जाने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने केदारनाथ में बन रहे अस्पताल को यात्रा शुरू होने से पहले सुचारू किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षित यात्रा के लिए निवारक उपायों की अत्यधिक आवश्यकता पर बल देते हुए स्वास्थ्य जांच केन्द्रों को बढाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा की शुरूवात में ही स्वास्थ्य परीक्षण हो सके इसके लिए हरिद्वार, ऋषिकेश एवं विकासनगर में हेल्थ स्क्रीनिंग केन्द्रों की संख्या बढ़ाई जाए। मुख्य सचिव ने मल्टी लेवल पार्किंग की व्यवस्था पर बल देते हुए अधिक से अधिक पार्किंग स्थलों को चिन्हित किए जाने की बात कही। मुख्य सचिव ने श्रद्धालुओं द्वारा यात्रा मार्गों पर वृक्षारोपण करने हेतु स्मृति वन के लिए स्थान चिन्हित किए जाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि इच्छित श्रद्धालु इन पलों को यादगार बनाने के लिए पौधारोपण कर सकते हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि यात्रा मार्गों में दूर्घटनाओं या लैंड स्लाईड से लगने वाले जाम के कारण पीछे लगी लम्बी लाईनों में यात्रियों को जाम के कारणों की उचित जानकारी मिल सके इसके लिए मैकेनिज्म तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए यात्रा मार्गों पर डिजीटल डिस्प्ले बोर्ड लगाए जा सकते हैं, जो यह जानकारी उपलब्ध कराएंगे कि किस स्थान पर कौन सी घटना घटी है, जिसके कारण जाम लगा है।

## एक नजर

राजभवन में राज्य मुख्य सूचना आयुक्त की शपथ ग्रहण के पश्चात श्रीमती राधा रतूड़ी एवं न्यायमूर्ति यू.सी. ध्यानी चेयरमैन यूके पब्लिक सर्विस ट्रिब्यूनल साथ में हैं डॉ. बैज नाथ, पूर्व जीजीएम ओएनजीसी, डायरेक्टर लीगल, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम।

# कार अलकनंदा में गिरी एक महिला रेस्क्यू, चार लापता तलाश जारी

हमारे संवाददाता

टिहरी। देवप्रयाग और कीर्तिनगर के बीच आज सुबह एक दर्दनाक हादसा गया। हादसें में एक कार अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में जा गिरी। कार में पाँच लोग सवार थे। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य में जुटी टीम ने एक महिला को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है, जबकि बाकी चार लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

जानकारी के अनुसार कार में सवार सभी लोग श्रीकोट क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच गया। नदी के तेज बहाव और कठिन भौगोलिक स्थिति के चलते रेस्क्यू अभियान में काफी दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह इलाका दुर्घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। अभी तक लापता लोगों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। प्रशासन द्वारा तलाशी अभियान जारी है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही बाकी लोगों का भी सुराग मिल सकेगा।

# होटल में पकड़े गए दर्जनों छात्र-छात्राएं

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। होटल में नशे की हालत में पुलिस ने कई छात्र-छात्राओं को पकड़ लिया है। जिसमें से अधिकतर एक बड़े संस्थान के छात्र-छात्राएं हैं। पुलिस ने उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया वहीं होटल को सील करने की संस्तुति ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को भेज दी गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एक सूचना के बाद रूड़की सिविल लाइंस पुलिस ने रोडवेज के समीप एक होटल में छापेमारी की। इस दौरान वहां काफी संख्या में युवक, युवतियां शराब आदि का सेवन करते पाये गये। पूछताछ में पता चला कि उनमें से अधिकतर नामी संस्थान के छात्र-छात्राएं है। इस पर पुलिस ने संस्थान को सूचित करते हुए उन छात्र-छात्राओं को भविष्य में इस प्रकार का कृत्य न करने की चेतावनी देते हुए उन्हें संस्थान अधिकारियों के सपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने होटल संचालक को सख्त हिदायत दी और साथ ही ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को होटल सील करने के लिए संस्तुति भेज दी गई है।

# स्मार्ट मीटरः 12 दिन का बिल 46.60 लाख

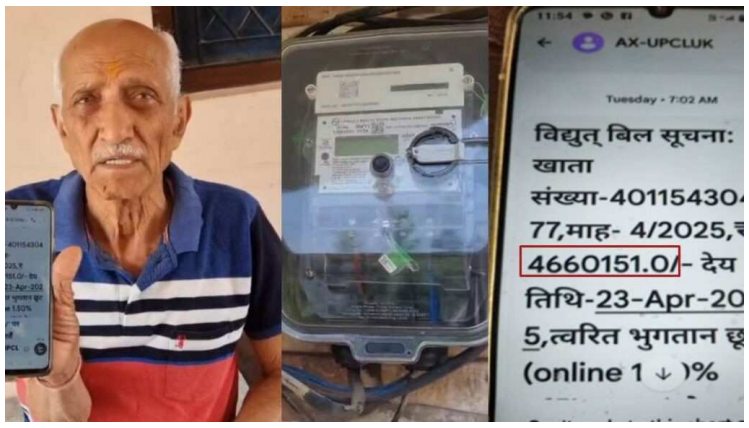


हमारे संवाददाता

नैनीताल। उर्जा विभाग जहां स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों को जागरुक कर रहा है वहीं दूसरी तरफ स्मार्ट मीटर के कारण लोगो का समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला हल्द्वानी मे सामने आया है। यहां स्मार्ट मीटर लगाने के बाद एक उपभोक्ता का 10 दिन का बिल 46 लाख 60 हजार रुपए आया जिसे देखकर उपभोक्ता दहल गया। मामले की शिकायत जब विभाग से की गयी तो उनके द्वारा दलील दी गयी कि ऐसा पुराने मीटर की रीडिंग एलईडी के फॉल्ट के वजह हुआ है। जिसकी जांच करायी जा रही है।

बता दें कि हल्द्वानी नगर निगम के वार्ड संख्या 43 अरावली वाटिका छड़ैल निवासी हंसा दत्त जोशी ने 24 मार्च को स्मार्ट मीटर लगाया। लेकिन 12 दिन बाद 8 अप्रैल को जब स्मार्ट मीटर से पहला बिल आया तो वह दहल गये। क्योंकि मात्र 12 दिनों का बिल 46 लाख 60 हजार रुपए का था। जबकि पुराने मीटर के हिसाब से उनका बिल करीब 800 रुपए मासिक आता था। हंसा दत्त जोशी ने मामले की शिकायत ऊर्जा निगम के

## ❑विभाग ने मानी गलती, जांच शुरु

अधिकारियों से की। हंसा दत्त जोशी ने बताया कि महीना भर पहले ही कुछ कर्मचारी उनके घर पर आकर स्मार्ट मीटर लगा गए थे। जब उनका ऑनलाइन बिजली का बिल आया। यह बिल 46 लाख 60 हजार से अधिक था। मामले में अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग नवीन मिश्रा ने बताया कि 24 मार्च को पुराना विद्युत मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगाया गया था। पुराने मीटर की एलईडी खराब होने के चलते मीटर रीडिंग में गड़बड़ी हुई है। पुराने बिल में 339 रीडिंग थी जिसे एलईडी खराब होने के कारण 7 लाख 339 दर्ज किया गया और उसी आधार पर 46 लाख का बिल जेनरेट हो गया। विभाग ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

## स्कूटी की टक्कर से महिला की मौत

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी की चपेट में आकर महिला की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोअर नत्थनपुर निवासी राम सिंह ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी कमला भागीरथी कालोनी से अपने घर की तरफ आ रही थी जब वह थोडी दूर ही पहुंची थी तभी तेज गति से आ रहे स्कूटी सवार ने उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## चाकू सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना भगवानपुर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस ग्राम खुब्बनपुर गेट के आगे आम के बगीचे में पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम अरूण पुत्र रमेश चन्द्र निवासी सिसौना थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

## एसटीएफ ने 118 ग्राम हेरोइन के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने 118 ग्राम हेरोइन के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया हे।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत भुल्लर द्वारा ड्रग्स के खिलाफ कार्यवाही करने के लिये एसटीएफ(एंटी नार्कोटिक्स) कुमाऊं यूनिट को उत्तराखण्ड के समस्त जनपदों में कड़ी निगरानी रखते हुये कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक स्वप्न किशोर सिंह व सीओ आर.बी. चमोला के निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक एसटीएफ (एंटी नारकोटिक्स) कुमाऊं यूनिट पावन स्वरुप के नेतृत्व में कल देर शाम को उत्तराखण्ड एसटीएफ की एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना खटीमा क्षेत्र में स्थानीय पुलिस को साथ लेकर संयुक्त कार्यवाही करते हुए पहनिया चौराहे के पास से एक हेरोइन तस्कर को मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से कुल

118 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उसने अपना नाम सोनू राणा पुत्र ओमप्रकाश निवासी खटिमा बताया। पूछताछ में बताया कि वे यह हेरोइन नानकमत्ता से लेकर आया है जिसको बनबसा, टनकपुर क्षेत्र में छोटी- छोटी पुड़िया बनाकर बेचने ले जा रहा था। एसटीएफ टीम द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स तस्करों के नाम की जानकारी हुई है जिन पर अलग से कार्यवाही की जायेगी। अभियुक्त का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

## दुकान में घुसकर मारपीट

संवाददाता

देहरादून। दुकान में घुसकर मारपीट करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला झाझरा निवासी आकाश रावत ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी दुकान पर बैठा था तभी वहां पर अभिषेक राणा व अनिकेत राणा आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसको मारपीट कर घायल कर दिया। जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो दोनों उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकारः**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*